भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2201

सोमवार, 2 अगस्त, 2021/11 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पूजा स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करना

2201. श्री सदाशिव किसान लोखंडे:

श्री चन्देश्वर प्रसाद:

एडवोकेट ए.एस. आरिफ:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में अब तक राष्ट्रीय तीर्थ केन्द्रों के रूप में घोषित किए गए स्थालों की सूची क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान बिहार सहित देश के विभिन्न राज्यों विशेषकर जहानाबाद में बराबर पहाड़ियों में पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किए गए पूजा स्थलों की संख्या कितनी है और विगत तीन वर्षों के दौरान इस प्रयोजनार्थ आबंटित निधि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने किसी पूजा स्थल को राष्ट्रीय तीर्थ केन्द्र (एनपीसी) के रूप में घोषित करने के लिए कोई मानदंड निर्धारित किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार केरल राज्य के अनुरोध के अनुसार सबरीमाला को एनपीसी के रूप में घोषित करने का इरादा रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) वर्तमान वर्ष के दौरान बिहार सहित विभिन्न राज्यों में उन पूजा स्थलों के नाम क्या है जिन्हें पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने का विचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क), (ग) और (घ): पर्यटन मंत्रालय किसी भी स्थान को राष्ट्रीय तीर्थयात्रा पर्यटन केंद्र के रूप में घोषित नहीं करता है और न ही ऐसे केंद्रों की कोई सूची तैयार करता है। तथापि पर्यटन मंत्रालय तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथ का एकीकृत विकास, स्वदेश दर्शन (एसडी) नामक योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा डीपीआर प्रस्तुत किए जाने पर इन योजनाओं के दिशा निर्देशों के अनुसार निधियों की उपलब्धता, पहले जारी की गई निधियों के लिए लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्रों की प्रस्तुति और संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को पहले अनुमोदित परियोजनाओं के भौतिक

निष्पादन की स्थिति की शर्त पर पर्यटक स्थानों के अवसंरचना विकास और सौंदर्यीकरण के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(ख) और (ड.): प्रशाद तथा स्वदेश दर्शन योजनाओं के तहत नई परियोजनाओं का अनुमोदन ऊपर उल्लिखित पैरा में दी गई शर्तों के अधीन एक सतत प्रक्रिया है। पिछले 3 वर्षों में और चालू वर्ष के दौरान बिहार राज्य और केरल में सबरीमाला सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में अवस्थित तीर्थस्थानों/धार्मिक स्थानों के विकास हेतु अनुमोदित परियोजनाओं और देशभर में अनुमोदित परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

पूजा स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करना के सम्बन्ध में दिनांक 02.08.2021 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 2201 के भाग (ख) और (ड.) के उत्तर में **विवरण**

क. पिछले तीन वर्षों एवं वर्तमान वर्ष के दौरान प्रशाद योजना के अन्तर्गत स्वीकृत की गई परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**निर्मुक्त राशि (करोड़ रु. में)**
	वर्ष **2018-19**			
1	उत्तराखंड	बद्रीनाथजी धाम (उत्तराखंड) में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	39.24	20.79
2	गुजरात	सोमनाथ में प्रोमेनाड का विकास	47.12	44.76
3	उत्तर प्रदेश	गोवर्धन, मथुरा, का विकास	39.74	21.87
4	झारखंड	वैद्यनाथजी धाम, देवघर का विकास	39.13	20.58
5	नागालैंड	नागालैंड में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	25.26	13.49
	वर्ष 2019-20			
6	हरियाणा	पंचकुला जिले में नाडा साहेब गुरुद्वारा और माता मंशा देवी मंदिर का विकास	49.52	20.18
	वर्ष **2020-21**			
7	मेघालय	मेघालय में तीर्थ यात्रा की सुविधाओं का विकास	29.32	6.53
8	छत्तीसगढ़	माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, राजनंदगाँव, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़ का विकास	43.33	12.16
9	अरुणाचल प्रदेश	परशुराम कुंड, लोहित जिला का विकास	37.88	शून्य
10	मध्य प्रदेश	अमरकंटक मध्य प्रदेश का विकास	49.99	शून्य
11	सिक्किम	युकसोम सिक्किम में चार संरक्षक संतों पर तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	33.32	9.50
12	तेलंगाना	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर तेलंगाना का विकास	36.73	5.14
13	त्रिपुरा	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, उदयपुर त्रिपुरा का विकास	37.84	10.59
	वर्ष 2021-22			
14	उत्तराखंड	प्रशाद योजना के तहत उत्तराखंड में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ स्थल अवसंरचना सुविधाओं का संवर्धन	54.36	शून्य

(ख) स्वदेश दर्शन योजना के तहत बिहार राज्य और सबरीमाला के लिए स्वीकृत परियोजनाओं तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वीकृत की गई परियोजनाओं का विवरण

राज्य का नाम	परिपथ का नाम/वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि करोड़ रु. में	जारी की गई राशि करोड़ रु. में
केरल	अध्यात्मिक परिपथ (2016-17)	पथानमथिट्टा जिला, केरल में आध्यात्मिक परिपथ के रूप में सबरीमाला - एरुमेली-पंपा-सन्नीधानम का विकास	99.99	20.00
केरल	अध्यात्मिक परिपथ (2016-17)	श्री पद्मनाभ मंदिर, अर्नामुला- सबरीमाला का विकास	92.22	73.77
केरल	अध्यात्मिक परिपथ (2018-19)	शिवगिरी श्रीनारायण गुरु आश्रम- अरुविपुरम - कुन्नुमपारा श्रीसुब्रह्मणिया- चेंबाज़न्थी श्रीनारायण गुरुकुलम का विकास	69.47	1.61
बिहार	अध्यात्मिक परिपथ (2016-17)	कांवड़िया मार्ग: सुल्तानगंज- मोजमा- बंका का समेकित विकास	44.76	42.52
बिहार	अध्यात्मिक परिपथ (2017-18)	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास।	47.52	38.02
बिहार	बौद्ध परिपथ (2016-17)	बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	98.73	78.91
बिहार	तीर्थंकर परिपथ (2016-17)	वैशाली - आरा- मसाद-पटना- राजगीर-पावापुरी- चंपापुरी का विकास	37.19	26.19
महाराष्ट्र	अध्यात्मिक परिपथ (2018-19)	वाकी- अदासा- धापेवाड़ा- परादसिंघा- छोटा ताजबाग- तेलनखंडी- गिराड़ का विकास	54.01	24.00
उत्तर प्रदेश	अध्यात्मिक परिपथ (2018-19)	जेवर-दादरी-सिकंद्राबाद -नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास।	12.03	8.83
उत्तर प्रदेश	अध्यात्मिक परिपथ (2018-19)	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपाटन मंदिर (बलरामपुर) और वटवासिनी मंदिर (डोमरियागंज) का विकास	15.76	9.46

****